

धोरा री धरती पर ओ तो उड़तो आवे रे घोड़ो बाबा रो



धोरा री धरती पर ओ तो,
उड़तो आवे रे,
घोड़ो बाबा रो,
ओ घोड़ो पीरा रो।bd।

रूणिचा से चाल्यो घोड़ो,
पुंगलगढ़ मे जावे,
बाई शुगना रे सासरिये रा,
सगळा हाल सुनावे,
शुगना बाई रे बीर रा,
ओ दर्श करावे रे,
घोड़ो बाबा रो,
ओ घोड़ो पीरा रो।bd।

सेठ सेठानी जावे रूणिचा,
मारग मिलगया चोर,
घोड़लिए री टाप सुनी जद,
भागया रन न छोड़,
भगता रे ऊपर भीड़ पड़ी जद,
दोड्या आवे रे,
घोड़ो बाबा रो,
ओ घोड़ो पीरा रो।bd।

बांन्यो बोहीतो गयो विदेसा,
माल घणो रे कमाई,
सोनी जी न हार बनायो,
मन मे लालच आई,
डूबन लागी झाझडली न,
पार लगावे रे,
घोड़ो बाबा रो,
ओ घोड़ो पीरा रो।bd।

रूनीचे से चाल्यो घोड़ो,
भगता के घर आवे,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



वीणा तन्दुरा नौबत बाजे,
देव सभी हरसावे,
विष्णु सागर घोडलिये न,
शीस नवावे रे,
घोड़ो बाबा रो,
ओ घोड़ो पीरा रो।bd।

धोरा री धरती पर ओ तो,
उड़तो आवे रे,
घोड़ो बाबा रो,
ओ घोड़ो पीरा रो।bd।

गायक – गोपाल सोनी रतनगढ़।
9982095020
